

परियोजना विवरण :- जनपद देहरादून के विधान सभा क्षेत्र चकराता के विकासखण्ड कालसी मे बबडीधार लोहन बैण्ड से बाघना तक मोटर मार्ग का निर्माण हेतु हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव । (लम्बाई 9.500 किमी०)

भाग-II

(संबंधित उप वन संरक्षक द्वारा भरा जाएगा)

7.

परियोजना या स्कीम की अवस्थिति

i) राज्य/संघराज्यक्षेत्र

(ii) जिला

(iii) जिला वन प्रभाग

(iv) पूर्वक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि का :-

8. पूर्वक्षण के लिए पहचानी गई वन भूमि की विधिक प्रास्थिति:

9. अपवर्जन के लिए प्रस्तावित वन भूमि में उपलब्ध वनस्पति का ब्यौरा:

(i) वन का प्रकार

(ii) वनस्पति का औसत पूर्ण घनत्व 0.2

(iii) प्रजातिवार स्थानीय या वैज्ञानिक नाम और गिराए जाने के लिए अपेक्षित वृक्षों की परिगणना

(iv) पूर्वक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली वन भूमि के लिए कार्यकरण योजना का नुस्खा :-

10. भूक्षरण के लिए पूर्वक्षण हेतु उपयोग की जाने वाली वन भूमि की स्थलाकृति और क्षीणता पर संक्षिप्त टिप्पणी

11. वन भूमि की सीमा से पूर्वक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की लगभग दूरी :-

12. वन्य जीव की दृष्टि से पूर्वक्षण में उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की महत्ता :

(i) पूर्वक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के लगभग विद्यमान वन्यजीव का ब्यौरा :

(ii) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण, व्याघ्र रिजर्व, हाथी कोरीडोर वन्यजीव अत्प्रवास गलियारे आदि के भाग का निर्माण करते हैं (यदि ऐसा है तो क्षेत्र के ब्यौरे और उपाबद्ध किए जाने में मुख्य वन्य जीव वार्डन की और टीका टिप्पणियां उपाबद्ध की जाए)

(iii) क्या किसी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याघ्र रिजर्व, हाथी गलियारे पूर्वक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से दस कि.मी. के भीतर अवस्थित है। (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्यौरे और मुख्या वन्य जीव वार्डन की टीका-टिप्पणियों उपाबद्ध की जाए)

बबडीधार लोहन वैण्ड से बाघना मोटर मार्ग
उत्तराखण्ड
देहरादून
चकराता वन प्रभाग चकराता
4.2050 हे०
आरक्षित वनभूमि
सिविल सोयम भूमि
वन पंचायत भूमि

प्रति 20.1 ए. बी. ए. सी.

0.500 कि.मी.

— नक्षी —

— नक्षी —

(iv) क्या राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभ्यारण जैव क्षेत्र आरक्षण व्याधः- रिजर्व, हाथी गलियारे वन्य जीव उत्प्रवास आदि पूर्वक्षण के लिए उपयोजित की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि की सीमा से एक कि. मी. के भीतर अवस्थित है। (यदि ऐसा है, तो क्षेत्र के ब्यौरे और मुख्या वन्य जीव वार्डन की टीका-टिप्पणियों उपाबद्ध की जाए)

(v) क्या क्षेत्र में वनस्पति और जीव जंतु के अलग या खतरे में:- अलग किस्म के खतरे की प्रजातियां हैं, यदि हैं तो उसके ब्यौरे

हलायु

13. क्या क्षेत्र में कोई संरक्षित पुरातत्वीय या विरासत स्थल या:- प्रतिरक्षात्मक स्थापन या कोई महत्वपूर्ण संस्मारक अवस्थित है (यदि ऐसा है तो उपाबद्ध किए जाने के लिए सक्षम प्राधिकारी से अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एन ओ सी) के साथ उसका ब्यौरा दें)

14. पूर्वक्षण के लिए उपयोग की जाने वाली प्रस्तावित वन भूमि के:- विस्तार की युक्तियुक्तता के बारे में टीका टिप्पणियां दें :

(i) क्या भाग- 1 के पैरा 6 और पैरा 7 में प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा:- यथाप्रस्तावित वन भूमि की अपेक्षा अपरिहार्य है और परियोजना के लि

(ii) यदि नहीं तो वन भूमि के सिफारिश कि :-

नहीं

15. किए गए अतिक्रमण के ब्यौरे :-

(i) क्या अधिनियम या अधिनियम के अधीन मार्गदर्शक सिद्धांतों के:- अतिक्रमण में किसी कार्य को किया गया है (हां/नहीं)

(ii) यदि हां, की गई कार्य अवधि, अतिक्रमण में अंतर्वलित वन भूमि, :- अतिक्रमण के लि

नहीं

(iii) क्या अतिक्रमण में कार्य अब भी प्रगति में है (हां/नहीं) :-

नहीं

(iii) क्या अतिक्रमण में कार्य अब भी प्रगति में है (हां/नहीं) :-

हलायु हां

(iv) रोपित की जाने वाली प्रजातियों कार्यन्वयन अभिकरण, समय :- सूची, लागत संरचना आदि सहित क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के ब्यौरे संलग्न हैं (हां/नहीं)।

28, 35 717 = 00

(v) क्षतिपूरक वनरोपण स्कीम के लिए कुल वित्तीय उपरिव्यय :-

(vi) क्या क्षतिपूरक वनरोपण के लिए और प्रबंधन के दृष्टिकोणों से:- पहचानर किए गए क्षेत्र की युक्तियुक्तता के बारे में संबद्ध उपवन संरक्षक से प्रमाण-पत्र संलग्न हैं (हां/नहीं)।

हां

17. वनस्पति और जीव जंतु पर प्रस्तावित क्रियाकलापों के समाघात से:- सम्बन्धित महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाश में लाने वाले उप वन संरक्षक की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट संलग्न है (हां/नहीं)।

हां

18. स्वीकृति या अन्यथा कारणों के समथ प्रस्ताव के लिए उप वन:- संरक्षक की विनिर्दिष्ट सिफारिशों

यानक, क्रियाकलाप की सकारणीता सिफारिशों के आधार पर प्रस्ताव की जाती है।

दिनांक 2-6-2020

स्थान कावली

उप-प्रशासक (वन्य जीव संरक्षण) कावली

हस्ताक्षर

नाम (दीप चंद्र आश्र)

सरकारी मोहर

प्रशासक (वन्य जीव संरक्षण) कावली